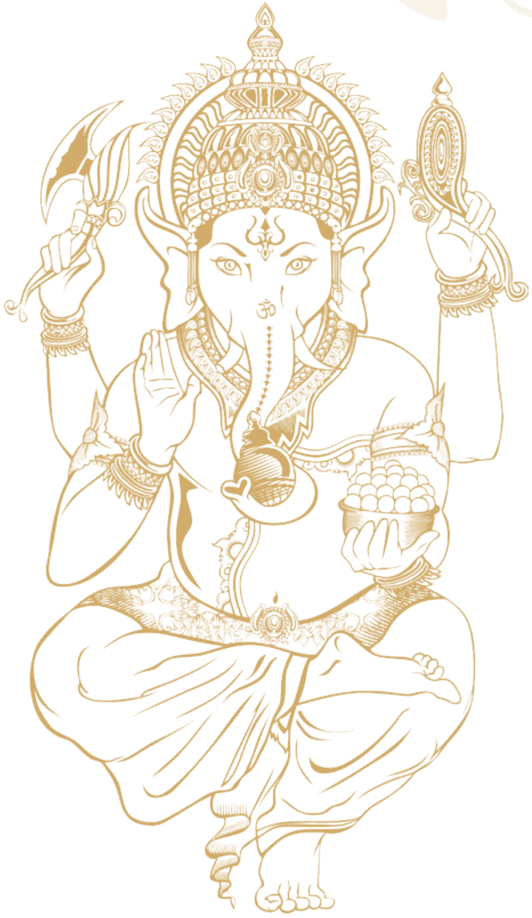

Pt.Sumit

Ku.Sweta

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121347201

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
02/12/1999	जन्म तिथि	18/10/2002
गुरुवार	दिन	शुक्रवार
घंटे 12:30:00	जन्म समय	12:30:00 घंटे
घटी 14:21:35	जन्म समय(घटी)	15:28:49 घटी
India	देश	India
Bhopal	स्थान	Dabra
23:17:00 उत्तर	अक्षांश	25:56:00 उत्तर
77:28:00 पूर्व	रेखांश	78:20:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:20:08	स्थानिक संस्कार	-00:16:40 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:45:21	सूर्योदय	06:17:03
17:33:24	सूर्यास्त	17:46:29
23:51:06	चित्रपक्षीय अयनांश	23:53:29
कुम्भ	लग्न	धनु
शनि	लग्न लग्नाधिपति	गुरु
कन्या	राशि	कुम्भ
बुध	राशि-स्वामी	शनि
हस्त	नक्षत्र	पू०भाद्रपद
चन्द्र	नक्षत्र स्वामी	गुरु
1	चरण	3
आयुष्मान	योग	ध्रुव
विष्टि	करण	कौलव
पू-पुरुषोत्तम	जन्म नामाक्षर	दा-दामिनी
धनु	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला
वैश्य	वर्ण	शूद्र
मानव	वश्य	मानव
महिष	योनि	सिंह
देव	गण	मनुष्य
आद्य	नाड़ी	आद्य
मूषक	वर्ग	सर्प

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी	
चन्द्र 7वर्ष 6मा 26दि	
राहु	
29/06/2014	
28/06/2032	
राहु	11/03/2017
गुरु	05/08/2019
शनि	11/06/2022
बुध	28/12/2024
केतु	16/01/2026
शुक्र	15/01/2029
सूर्य	10/12/2029
चन्द्र	11/06/2031
मंगल	28/06/2032

अंश	राशि		ग्रह		राशि	अंश
13:51:05	कुंभ		लग्न		धनु	23:04:15
15:47:12	वृश्चि		सूर्य		तुला	00:50:14
13:14:08	कन्या		चंद्र		कुंभ	28:03:50
10:44:54	मक		मंगल		कन्या	07:44:22
25:34:13	तुला		बुध		कन्या	14:04:49
01:44:23	मेष	व	गुरु		कर्क	20:50:23
01:55:01	तुला		शुक्र	व	तुला	20:35:07
17:53:51	मेष	व	शनि	व	मिथु	05:09:06
11:42:26	कर्क	व	राहु	व	वृष	15:45:55
11:42:26	मक	व	केतु	व	वृश्चि	15:45:55
19:40:54	मक		हर्ष	व	कुंभ	01:08:12
08:23:49	मक		नेप	व	मक	14:18:19
16:27:46	वृश्चि		प्लूटो		वृश्चि	21:45:04

विंशोत्तरी	
गुरु 6वर्ष 3मा 26दि	
शनि	
13/02/2009	
13/02/2028	
शनि	16/02/2012
बुध	26/10/2014
केतु	05/12/2015
शुक्र	04/02/2019
सूर्य	17/01/2020
चन्द्र	17/08/2021
मंगल	26/09/2022
राहु	02/08/2025
गुरु	13/02/2028

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

23:51:06 चित्रपक्षीय अयनांश 23:53:29

लग्न-चलित

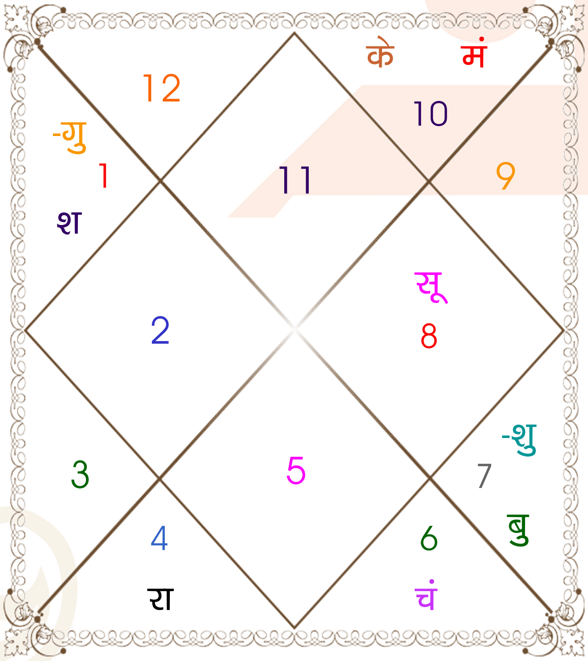

लग्न-चलित

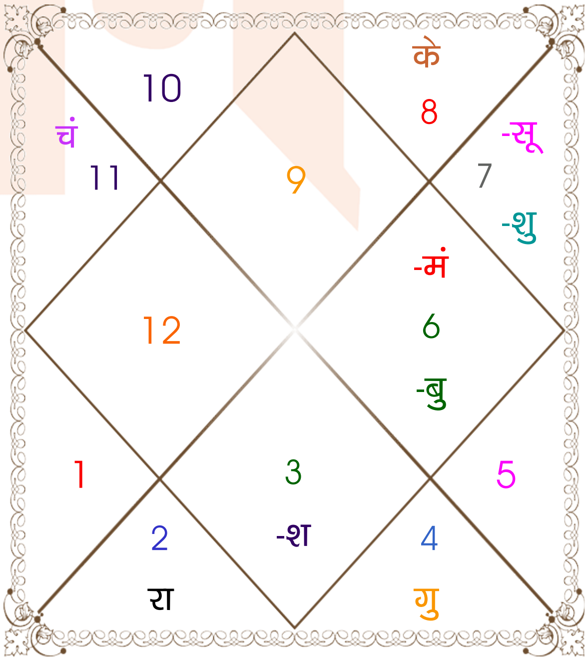

FUTUREPOINT Astro Solutions

एक्स-35, ओखला फेज-2, नई दिल्ली-110020 फोनः- 011-40541000, 40541020

Web: www.futurepointindia.com, e-mail: mail@futurepointindia.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	वध	क्षेम	3	1.50	--	भाग्य
योनि	महिष	सिंह	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	शनि	5	4.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	कन्या	कुम्भ	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	आद्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	15.50		

कुल : **15.5 / 36**

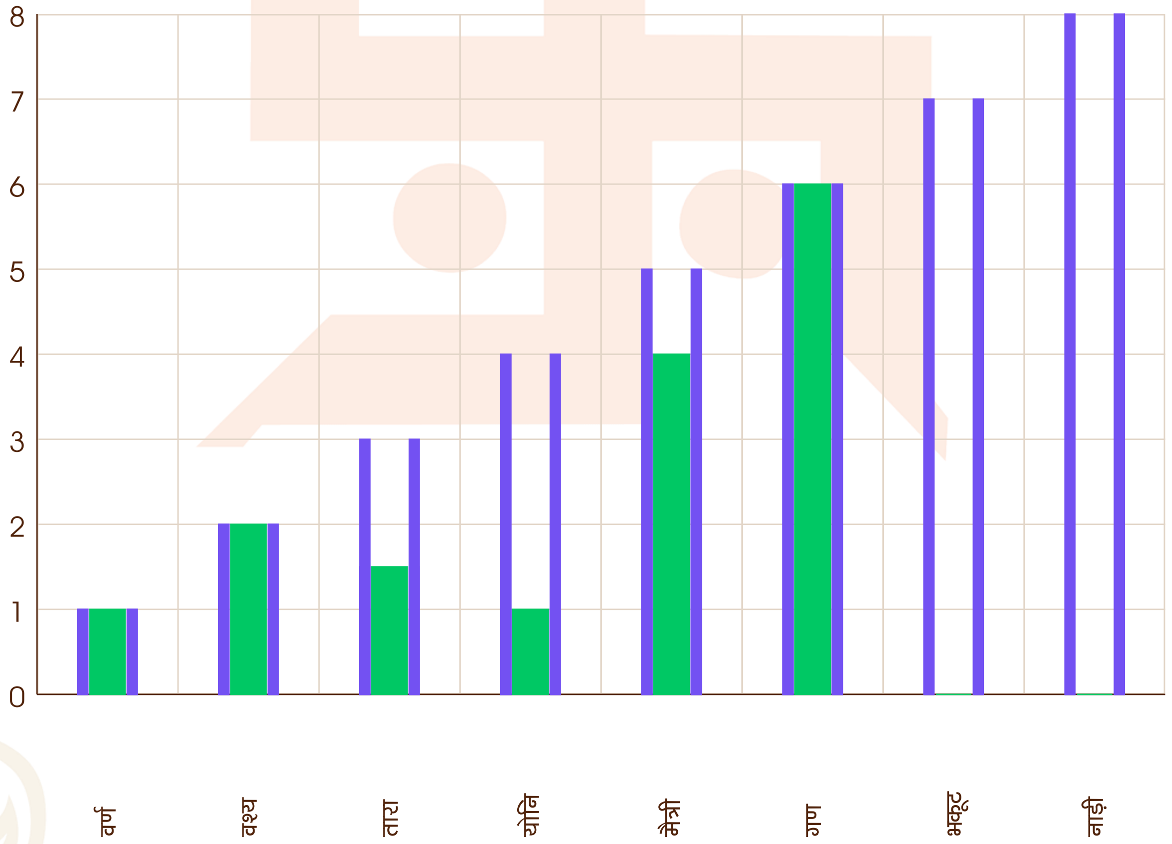

अष्टकूट मिलान

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

नाड़ी दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के नक्षत्र एवं राशियां भिन्न-2 है।

Pt.Sumit का वर्ग मूषक है तथा Ku.Sweta का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Pt.Sumit और Ku.Sweta का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

Pt.Sumit मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Pt.Sumit कि कुण्डली में उच्च का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ku.Sweta मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में दशम् भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Ku.Sweta कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Pt.Sumit तथा Ku.Sweta में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

Pt.Sumit का वर्ण वैश्य है तथा Ku.Sweta का वर्ण शूद्र है। इसमें Ku.Sweta का वर्ण Pt.Sumit के वर्ण से नीचा है अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके फलस्वरूप Ku.Sweta अति आज्ञाकारी, सहायता करने वाली तथा बिना किसी शिकायत के पूरे परिवार की सेवा-सुश्रुषा एवं देखभाल करने वाली होगी। साथ ही हर किसी की सेवा के लिए Ku.Sweta हमेशा तत्पर रहेगी। बिना उचित कारण के वह किसी के साथ तर्क-वितर्क अथवा झगड़ा नहीं करेगी।

वश्य

Pt.Sumit का वश्य द्विपद अर्थात मनुष्य है एवं Ku.Sweta का वश्य भी द्विपद अर्थात मनुष्य है अर्थात दोनों का वश्य समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान होगा। Pt.Sumit एवं Ku.Sweta दोनों के स्वभाव, गुण, व्यवहार पसंद/नापसंद तथा बुद्धि एवं ज्ञान एक समान होंगे। यह मिलान अति अनुकूल है तथा दोनों एक-दूजे के लिए ही बने हैं। दोनों के बीच प्रेम, सद्भावना एवं आपसी समझ एवं सामंजस्य की भावना बनी रहेगी। दोनों एक-दूसरे का सम्मान करेंगे तथा मिलजुलकर पारिवारिक दायित्वों का बोझ एक-दूसरे की सहायता एवं सहयोग करके साथ उठाते रहेंगे।

तारा

Pt.Sumit की तारा वध तथा Ku.Sweta की तारा क्षेम है। Pt.Sumit की तारा वध होने के कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। Pt.Sumit बुरी आदतों, अधोपतन, चरित्रहीनता एवं भोग-विलास की आदतों का शिकार हो सकता है। Pt.Sumit को शराब एवं ड्रग की लत लग सकती है किंतु Ku.Sweta लगातार उसकी भलाई के उद्देश्य से उसे सुधारने का प्रयास करती रहेगी। इस प्रकार उसके अच्छे प्रयासों का परिणाम सार्थक हो सकता है।

योनि

Pt.Sumit की योनि महिष है तथा Ku.Sweta की योनि सिंह है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं है। इन दोनों योनि के बीच सामान्य वैर है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान न होकर बुरा मिलान ही रहेगा। जिसके कारण दोनों की रुचि एवं पसंद नापसंद अलग- अलग ही होंगी। इनके वैवाहिक एवं पारिवारिक जीवन में अक्सर लड़ाई झगड़े हो सकते हैं। कभी- कभी लड़ाई झगड़ा घरेलू हिंसा का रूप भी ले सकता है। लड़ाई झगड़े के कारण पारिवारिक माहौल तनावपूर्ण एवं कलेशपूर्वक ही रहेगा। दोनों कभी कभी एक दूसरे पर हिंसक आक्रमण भी कर सकते हैं। दोनों के बीच झगड़े का कारण बुद्धिमत्ता एवं परस्पर समझदारी की कमी ही हो सकती है। यदि समझदारी और समझबूझ से काम न लिया गया तो कुछ समय अंतराल पर यह स्थिति मुकदमेबाजी तक भी पहुंच सकती है। इस प्रकार परस्पर प्रेम एवं सौहार्द्र की भावना का अभाव ही रहेगा। साथ ही दोनें के बीच अविश्वास की भावना भी रह सकती है।

कभी-कभी धनहानि होने की भी संभावना होगी। अतः यदि दोनों परस्पर समझदारी एवं बुद्धि से काम लें तो स्थिति को सुधारा भी जा सकता है। परस्पर लड़ाई झगड़े और वैचारिक मतभेद रहने के कारण परिवार में सुख समृद्धि का अभाव ही देखने को मिलेगा। इस प्रकार वैवाहिक जीवन संघर्षपूर्ण व कलेशपूर्वक बीतने की संभावना है अतः सतर्कता बरतें।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Pt.Sumit का राशि स्वामी Ku.Sweta के राशि स्वामी से सम का संबंध रखता है। जबकि Ku.Sweta का राशिस्वामी Pt.Sumit के राशिस्वामी के साथ मित्रता का संबंध रखता है। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यदि एक साथी के राशि स्वामी दूसरे साथी के लिए सम हों किंतु दूसरे साथी के राशि स्वामी अपने साथी के राशि स्वामी को अपना मित्र मानते हों तो इसे भी उत्तम मिलान माना जाता है। ऐसी स्थिति में वैवाहिक सुख, शांति, खुशहाली, प्रेम एवं समृद्धि से युक्त जीवन होता है। अतः दम्पत्ति के बीच पारस्परिक समझ, विश्वास एवं सहयोग की भावना बनी रहेगी। दोनों अपने घरेलू अथवा सामाजिक दायित्वों का निर्वहन साथ मिलकर करते रहेंगे तथा सभी की प्रशंसा का पात्र बनेंगे।

गण

Pt.Sumit का गण देव तथा Ku.Sweta का गण मनुष्य है। अर्थात दोनों का गण कूट मिलान हो रहा है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों दयालु, सहृदय, मृदु, सौम्य एवं एक-दूसरे का ख्याल रखने वाले होंगे। किंतु Ku.Sweta अधिक व्यावहारिक, मिलनसार, परिश्रमी, बुद्धिमान तथा महत्वाकांक्षी होंगी जो कि भौतिकवादी संसार में अपना अस्तित्व बनाए रखने तथा घर-परिवार चलाने के लिए आवश्यक है। दोनों अपने पारिवारिक, सामाजिक एवं व्यावसायिक जिम्मेवारियों का पूर्णरूपेण निर्वहन करते हुए हर सुख-सुविधाओं से युक्त सुखी जीवन व्यतीत करेंगे।

भकूट

Pt.Sumit से Ku.Sweta की राशि षष्ठम भाव में स्थित है तथा Ku.Sweta से Pt.Sumit की राशि अष्टम भाव में स्थित है। जिसके कारण यह मिलान बिल्कुल अच्छा मिलान नहीं है। क्योंकि इसमें षडाष्टक दोष लग रहा है। जिसके कारण Pt.Sumit लाइलाज बीमारी से ग्रस्त हो सकते हैं तथा अक्सर उनके जलने अथवा दुर्घटनाग्रस्त होने की संभावना बनी रहेगी। Ku.Sweta को स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं हो सकती हैं तथा परिवार के सदस्यों से वैमनस्य होने की संभावना भी रहेगी। पति-पत्नी के बीच वैचारिक मतभेद रह सकते हैं तथा अक्सर लड़ाई-झगड़े होते रहेंगे। दोनों के बीच तनावपूर्ण स्थिति पूरे परिवार के लिए समस्या एवं पीड़ा बन जायेगी। मुकदमेबाजी होने से अलगाव एवं तलाक की संभावना भी रहेगी।

नाड़ी

Pt.Sumit की नाड़ी आद्य है तथा Ku.Sweta की नाड़ी भी आद्य है। अर्थात दोनों की

नाड़ी समान है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोषपूर्ण है। अर्थात यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। Pt.Sumit एवं Ku.Sweta दोनों की आद्य नाड़ी होने से, दम्पत्ति वात से संबंधित बीमारियों एवं रोगों के शिकार हो सकते हैं। ज्योतिषीय दृष्टि से ऐसे दम्पत्ति जिनकी नाड़ी एक ही हों, उनकी संतानें रक्ताल्पता, रक्त में हीमोग्लोबिन की कमी का शिकार हो सकते हैं। वे पढ़ाई एवं कार्य में संकेन्द्रण की कमी जैसी व्याधियों एवं परेशानियों के शिकार हो सकते हैं अथवा बचपन या किशोरावस्था में ही उनकी मृत्यु हो सकती है।

मेलापक फलित

स्वभाव

Pt.Sumit की जन्म राशि पृथ्वीतत्व युक्त कन्या तथा Ku.Sweta की राशि वायु तत्व युक्त कुम्भ राशि है। नैसर्गिक रूप से पृथ्वी एवं अग्नितत्व में असमानता एवं शत्रुता का भाव रहता है। अतः Pt.Sumit और Ku.Sweta के मध्य स्वभावगत विषमताएं होगी जिससे दाम्पत्य संबधों में तनाव रहेगा। अतः यह मिलान सामान्यतया अच्छा नहीं रहेगा।

Pt.Sumit की जन्म राशि का स्वामी बुध तथा Ku.Sweta की राशि का स्वामी शनि परस्पर सम एवं मित्र राशियों में स्थित है। अतः गृहस्थ जीवन व्यतीत करने के लिए यह ग्रह स्थिति सामान्यतया अच्छी रहेगी। इसके प्रभाव से Pt.Sumit और Ku.Sweta के मध्य स्नेह सहयोग सहानुभूति तथा समर्पण का भाव रहेगा तथा एक दूसरे को सुख दुख में पूर्ण सहयोग प्रदान करेंगे। साथ ही सदगुणों की परस्पर प्रशंसा करेंगे तथा कमियों की उपेक्षा करेंगे। अतः Pt.Sumit और Ku.Sweta का दाम्पत्य जीवन सामान्यतया सुखमय रहेगा।

Pt.Sumit और Ku.Sweta की राशियां परस्पर षडाष्टक भावों में पड़ती हैं। शास्त्रानुसार यह प्रबल भकूट दोष माना गया है। इसके प्रभाव से Pt.Sumit और Ku.Sweta के मध्य अनावश्यक मतभेद तथा विवाद रहेंगे जिससे संबधों में तनाव उत्पन्न होगा। साथ ही अनावश्यक क्रोध के प्रदर्शन एवं एक दूसरे की आलोचना भी वातावरण को प्रतिकूल बनाएगी। इस योग में Pt.Sumit और Ku.Sweta एक दूसरे के गुणों की उपेक्षा करेंगे तथा कमियों पर अधिक ध्यान देंगे जिससे स्थिति प्रतिकूल रहेगी। अतः Pt.Sumit और Ku.Sweta को बुद्धिमता पूर्वक आपसी व्यवहार सम्पन्न करना चाहिए।

Pt.Sumit और Ku.Sweta दोनों का वश्य मानव है। अतः इनकी स्वभावगत अभिरूचियों में समानता होगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर आवश्यकताएं भी समान रहेंगी फलतः दाम्पत्य संबधों में एक दूसरे को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रखने में समर्थ होंगे। इससे उपरोक्त प्रभावों में न्यूनता आएगी।

Pt.Sumit का वर्ण वैश्य तथा Ku.Sweta का वर्ण शूद्र है। अतः इनकी कार्य क्षमताएं अनुकूल रहेंगी। Pt.Sumit धनार्जन संबधी कार्यो में रूचिशील होंगे परन्तु Ku.Sweta ईमानदारी तथा परिश्रम से किसी भी कार्य को सम्पन्न करने में तत्पर रहेंगी जिससे कार्य क्षेत्र सुदृढ़ रहेंगे।

धन

Pt.Sumit और Ku.Sweta की तारा सम है। अतः आर्थिक स्थिति पर इसका कोई विशेष शुभ या अशुभ प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य रूप से धन एवं लाभ अर्जित करने में तत्पर रहेंगे। इन पर भकूट का प्रभाव भी सम ही होगा लेकिन Pt.Sumit पर मंगल का अशुभ प्रभाव रहेगा जिसके प्रभाव से समय समय पर आर्थिक उतार चढ़ाव का सामना कर सकते है। साथ ही लाभ एवं आय स्रोतों में भी व्यवधान उत्पन्न होंगे।

इसके अतिरिक्त Pt.Sumit की प्रवृति अनावश्यक रूप से व्यय करने की भी होगी जिसका आर्थिक स्थिति पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। अतः उन्हें चाहिए कि अनावश्यक व्यय की इस प्रवृति पर नियंत्रण रखें तभी उनकी आर्थिक स्थिति अनुकूल रह सकती है।

स्वास्थ्य

Pt.Sumit और Ku.Sweta दोनों ही आद्य नाड़ी में हुए है। यद्यपि सामान्य रूप से यह नाड़ी दोष बनता है जिससे इनका स्वास्थ्य खराब हो सकता है परन्तु इनका जन्म अलग अलग नक्षत्रों में हुआ है तथा इनकी राशि का स्वामी एक ही ग्रह है। अतः इससे नाड़ी दोष समाप्त हो जाता है परन्तु Ku.Sweta के स्वास्थ्य पर मंगल का दुष्प्रभाव होगा तथा साथ ही मासिक धर्म संबंधी अनियमिता से भी वे कष्ट की प्राप्ति करेंगी। अतः मंगल के इस दुष्प्रभाव को कम करने के लिए Ku.Sweta को नियमित रूप से हनुमानजी की उपासना करनी चाहिए तथा मंगलवार के उपवास भी करने चाहिए।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से Pt.Sumit और Ku.Sweta का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त Pt.Sumit और Ku.Sweta के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में Ku.Sweta के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन Ku.Sweta को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में Ku.Sweta को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से Pt.Sumit और Ku.Sweta सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार Pt.Sumit और Ku.Sweta का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

Ku.Sweta के अपनी सास के साथ संबधों में मधुरता रहेगी तथा इनके मध्य परस्पर सामंजस्य भी रहेगा। साथ ही सास से Ku.Sweta को कभी भी कोई परेशानी या समस्या का सामना नहीं करना पड़ेगा। Ku.Sweta भी उनकी सुख सुविधा का पूर्ण ध्यान रखेंगी तथा सेवा

करने में सर्वदा तत्पर रहेंगी।

ससुर पक्ष से Ku.Sweta को यदा कदा अनावश्यक समस्याओं तथा परेशानियों का सामना करना पड़ेगा एवं वे सन्तुष्ट तथा प्रसन्न अल्प मात्रा में ही रहेंगे। तथापि उनका हृदय जीतने के लिए Ku.Sweta उनकी सेवा तथा सुख सुविधा का पूर्ण ध्यान रखेंगी एवं परस्पर सामंजस्य स्थापित करने के लिए भी तत्पर रहेंगी। साथ ही देवर एवं ननदों से भी Ku.Sweta के मधुर संबध नहीं रहेंगे तथा परस्पर स्नेह एवं सहयोग के भाव की भी न्यूनता रहेगी। इसके अतिरिक्त परस्पर प्रतिद्वन्दिता तथा आलोचना का भाव रहेगा।

सामान्य रूप से सास ससुर का Ku.Sweta के प्रति अनुकूल दृष्टिकोण रहेगा तथा परिवार में उसकी महता को स्वीकार करेंगे।

ससुराल-श्री

Pt.Sumit की सास से संबधों में मधुरता बनी रहेगी तथा आपसी सामंजस्य के कारण एक दूसरे के प्रति स्नेह तथा सम्मान का भाव रहेगा तथापि यदा कदा संबधों में औपचारिकता के भाव का भी समावेश रहेगा। उनके मध्य मतभेदों की न्यूनता रहेगी। अतः समय समय पर Pt.Sumit सपत्नीक ससुराल के लोगों से मिलने जाया करेंगे।

लेकिन Pt.Sumit ससुर के साथ मधुर संबधों में नित्य वृद्धि करने में समर्थ रहेंगे तथा आपसी सामंजस्य एवं बुद्धिमता से इनके मध्य अपनत्व का भाव बना रहेगा तथा समय समय पर उनसे इन्हें उपयोगी सलाह भी मिलती रहेगी। इसके अतिरिक्त साले एवं सालियों से भी मित्रतापूर्ण संबध रहेंगे तथा उनसे यथोचित सम्मान सहयोग एवं स्नेह की प्राप्ति होगी। इस प्रकार ससुराल के लोगों का Pt.Sumit के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण रहेगा तथा सास को छोड़कर अन्य लोगों से अनौपचारिक संबध रहेंगे। फलतः वे इनका पूर्ण सम्मान करेंगे तथा अपना वांछित सहयोग समय समय पर प्रदान करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगे।